वर्ष-2020

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
हिन्दी रचना	6-2010	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

(परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे)

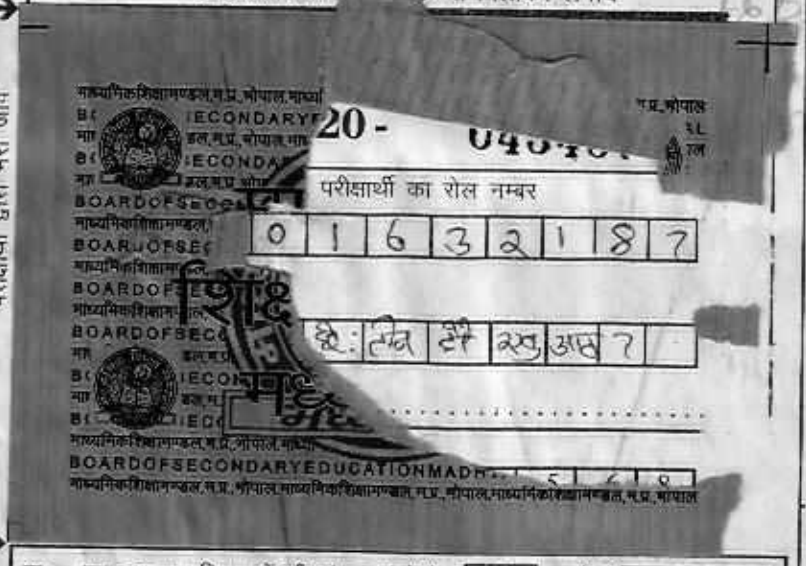

माध्यमिकशिक्षामण्डल,म.प्र.,भोपाल BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADH... 20- [redacted]

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

0	1	6	3	2	1	8	7

क :- पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में ✗ शब्दों में ✗

ख :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 1

ग :- परीक्षा का दिनांक 13 06 2020

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

C.N.-161103

हायर सीकण्डरी परीक्षा

(केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे)

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
Shom सतेन्द्र सिंह	(हस्ताक्षर)

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

(परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे)

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
	S. Soni 9540456

नोट :- "हायर सेकेण्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषयों तथा हाईस्कूल परीक्षा में प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80% अधिभार एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जायेंगे।"

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्... ...की करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	(अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

कुल ... प्राप्तांक अंकों में

4

पृष्ठ 2 के अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = 1

लिम्फोसाइटस

माइटोकोन्ड्रीया मे

कर्ण पटल

इन्सुलिन

स्टेन हॉल

प्रश्न क्रमांक = 2

चिपचिपा द्रव स्रवित होता है। लसिका।

ऑक्सीजन

मस्तिष्क

अधिवृक्क ग्रंथि

(ङ) कठोर

प्रश्न क्रमांक = 3

(अ)

(1) लसिका :-

रक्त परिसंचरण कि क्रिया रक्त केशिकाओ के द्वारा होति है। ये इन केशिकाओ की दिवारे इतनी महीन होति है कि इनमे रहने वाले तरल पदार्थ रक्त से निकलकर बाहर कि विभिन्न कोशिकाओ मे चला जाता है इस कोशि। लसिका कहलाता है।

B S E

(2) श्वसन का समीकरण :

$C_6H_{12}O_6 \xrightarrow{sunlight} 6O_2 + 6CO_2 + H_2O$

(3) प्राथमिक चिकित्सा :

किसी घायल व्यक्ति या रोगी की किसी सामान्य व्यक्ति द्वारा दी जाने वाले चिकित्सा प्राथमिक चिकित्सा कहलाती है।

(4) बाल अपराधी :-

सरकार के अनुसार :- किसी अवयस्क के द्वारा कानून के नियमो का उल्लंघन जिसे मुकदमे के दायरे मे नही लाया जा सकता ऐसा अपराध। जिनकी उम्र 21 वर्ष से कम होता है ऐसे

4

प्रश्न क्र.

खानेक वाले अवगाही कहलाते हैं।

~~प्रश्न क्र~~

जीवाणु विकास

B S E

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = 4

(अ)

(1) प्रतिवर्ती क्रिया — सुषुम्ना नाड़ी

(2) गुहेरी — मिबोमिन ग्रंथि

(3) शोफरविधि — कृत्रिम श्वसन

पेचिश — अन्टअमीबा हिस्टोलिटिका

दही — लैक्टोबेसिलस

प्रश्न क्रमांक = 5

गर्भाशय का एक कार्य —
भ्रूण धारण करना।

प्रश्न क्रमांक = 6

(उ)

वह स्थान जहाँ व्यक्तियों नाड़िया एकत्रित होती है उसे नाड़ी संस्थान कहते है
सुषुम्ना नाड़ी संस्थान का प्रमुख केन्द्र बिन्दु है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = 7

(अ)

पर्यावरण अपकर्ष :-
वातावरण मे अवांछित पदार्थों का मिलना जैसे किसी पार्क मे लगातार कचरा फैकने पर वहाँ कचरे का ढेर लग जाता है और वहाँ अवांछित पदार्थ किटाणु मकुड़े उत्पन्न जाते है और पार्क गन्दा हो जाता है।

अवांछित पदार्थ जो वातावरण मे मिलकर वातावरण को दुषित करते है पर्यावरण से दूषित हो जाता है पर्यावरण अपकर्ष कहलाता है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक= 8

(क) प्राथमिक चिकित्सक के गुण :-

प्राथमिक चिकित्सक के तीन गुण निम्न प्रकार हैं—

(1) मृदुभाषी :- प्राथमिक चिकित्सक को मृदुभाषी होना चाहिए क्योंकि जिससे कि रोगी को सान्त्वना देते समय उसे दुख न लगे उसकी आवाज से रोगी डरे न।

B S E

(2) शरीर विज्ञान का शारीरिक ज्ञान :- प्राथमिक चिकित्सक को शरीर विज्ञान का शारीरिक ज्ञान होना बहुत आवश्यक है जिससे रोगी के चोट लगने पर वह समझ सके कि रोगी को चोट कहाँ लगी है।

(3) स्वास्थ्य :- प्राथमिक चिकित्सक का स्वास्थ्य हमेशा ठीक रहना चाहिए जिससे वह रोगी को हाथों में उठाकर सुरक्षित स्थान तक ले जा सके।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = 9

उ.)

टायफाइड रोग का कारक :- यह रोग साल्मोनेला टायफोसा नामक जीवाणु के द्वारा होता है।

लक्षण :-
(1) आंतो में घाव होना।
(2) छाती एवं कमर पर छोटे - छोटे दाने उभर आना।
(3) लगातार उल्टी और दस्त आना।
(4) रोगी को बार बार बुखार आना।
(5) शरीर कमजोर हो जाना।

...ाम के उपाय :-
(1) हमें बासी भोजन का ...वन नहीं करना चाहिए।
...रोगी का स्वच्छ एवं पृथक कमरे में रखना चाहिए।
(3) उन्हें साफ सुथरे वस्त्र पहनना चाहिए।
(4) हमें रोगी का इलाज तुरन्त करवाना चाहिए।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = 10

उ) भारत मे बालिका के प्रति भेद-भाव के निम्न कारण है-

(अ) बालिकाए अशिक्षित है यह भी बालिकाओ के प्रति भेदभाव का बहुत बडा कारण है।

उन्हे बडा होकर शादी करके ससुराल जाना पडता है इसीलिए समाज उन्हे उनसे भेदभाव करते है।

S

E (ब) बालिकाए इस घर को वंश आगे नही बडा सकती है इस दृष्टि मे मा बाप उनमे बालक और बालिकाओ से भेद भाव करते है।

योग पूर्व 2 -

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

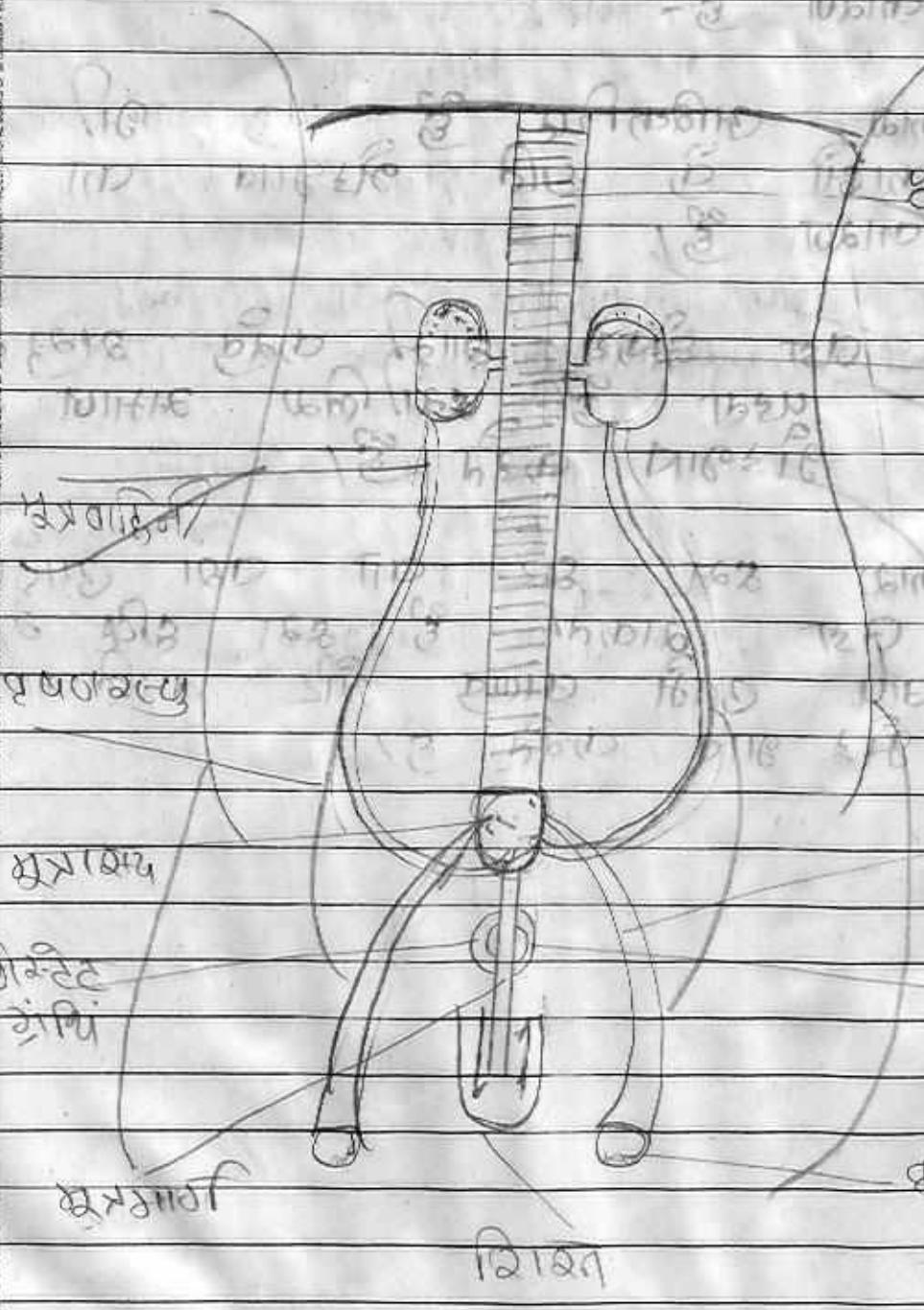

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = ५५

उ०)

चित्र - नर जनन अंगों नामांकित चित्र

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 12

(उ)

प्रतिवर्ती क्रिया :- वे सम्पूर्ण क्रियाए जो हमारी बाधा कि बाहरी उत्तेजनाओ के कारण घटित होती है प्रतिवर्ती क्रियाऐ कहलाती है। इन क्रियाओ मे मस्तिष्क का कोई भी अगं भाग नही लेता ये क्रियाए स्पाइनल कार्ड सुषुम्ना के द्वारा संचालित होती है इनके संचालन की गति इच्छा अनुसार नही होती ये क्रियाए ऐच्छिक क्रियाओ से शीघ्र पूर्ण हो जाती है।

उदा. जैसे अचानक स्वादिष्ट भोजन की गंध आने पर मुंह मे लार उत्पन्न होना।

B
S
E

कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = 14 अथवा

(उ)

जल अपकर्ष को रोकने के लिए निम्न उपाय किए जा सकते है-

(1) हमे जलाशयो मे जानवरो को नही नहलाना चाहिए।

(2) जलाशयो मे कूड़ा करकट नही फेकना चाहिए।

(3) हमे जलाशयो मे गन्दी नालिया गटर आदि नही मिलाना चाहिए।

E

(4) जल के पास वृक्षारोपण करना चाहिए।

(5) हमे नदी व तलाबो के पास मकान नही बनवाने चाहिए।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = 15

(उ) किशोरावस्था मे होने वाले चार संवेगात्मक परिवर्तन निम्न प्रकार है –

(1) चिड़चिड़ापन :- किशोर अवस्था मे बालक या बालिकाओ मे अगर कोई कुछ कहे और उनके काम मे अगर हस्तक्षेप करना वह पसंद नही करता है वह आजाद स्वतंत्र रहना पसंद करता है।

I

S (2) अकेलापन :- किशोर अवस्था मे किशोरो को बहुत अकेलापन महसूस होने लगता है और वह उस अकेलेपन को दूर करने के लिए बाहर घूमता है।

E

(3) शारीरिक स्वास्थ्य :- किशोर अवस्था मे बालको के शारीरिक विकास होता है इस वजह से किशोर बहुत परेशान रहता है।

(4) आत्मनिर्भरता का गुण :- कि किशोर अवस्था मे बालक आत्मनिर्भर बना बनना चाहता है वह दूसरो का सुना पसंद नही करता है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = 26

(उ)

रक्त के पाँच कार्य निम्न प्रकार है-

(1) पोषक पदार्थों का वितरण:-
रक्त भोजन के पाचन के पश्चात अवशोषित पोषित तत्वों को शरीर के प्रत्येक अंग तक पहुचाने का कार्य रक्त करता है।

B
S
E

(2) अवशिष्ट पदार्थों का निष्कासन:-
रक्त शरीर मे बने अपशिष्ट पदार्थों को शरीर के ~~प्रत्येक~~ उत्सर्जि पदार्थों तक पहुचाने का कार्य करता है।

(3) शरीर मे विभिन्न गैसो का परिवहन:-
रक्त शरीर मे अवशोषित गैसो को शरीर के प्रत्येक अंग तक पहुचाने का कार्य रक्त करता है।

(4) शरीर का ताप अनुकूल बनाए रखना:-
रक्त शरीर मे भोजन के पश्चात भोजन का दहन होता है और ऊष्मा उत्पन्न होती है रक्त शरीर की ऊष्मा को त्वचा के बाहरी अंग तक पहुचाँ

15

का कार्य करता है जिसमे शरीर का ताप मान अनुकूल रहता है।

(5) अम्ल एवं क्षार कि मात्रा को नियंत्रित रखना:- रक्त शरीर मे अम्ल एवं क्षार कि मात्रा मे सन्तुलन बनाए रखता है।

रक्त शरीर मे पानी की मात्रा को सन्तुलन बनाए रखता है।

(7) रक्त शरीर मे O_2 कि मात्रा को निश्चित बनाए रखता है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 28

उ०)

(1) कोशिका भित्ति :- कोशिका के चारों ओर पाई जाने वाली बाह्य आवरण कोशिका भित्ति कहलाती है। यह मजबूत तन्तुओं की बनी होती है। यह जन्तुओं के अपेक्षा पौधों में अधिक निकट पाई जाती है जीवाणु की कोशिका भित्ति तन्तु मय न होकर कणिका मय होती है।

B
S (2) कोशिका झिल्ली :- कोशिका भित्ति के नीचे
E एवं जीव द्रव के चारों ओर पाई जाने वाली झिल्ली कोशिका झिल्ली कहलाती है। इसमें राइबोसोम एवं मीसोसोम निकलते हैं। यह झिल्ली रक्षावरण

(3) कोशिका द्रव :- कोशिका के अन्दर एक तरल द्रव भरा होता है जो कोशिका द्रव कहलाता है यह हल्के पीले रंग का चिपचिपा पदार्थ होता है। इसमें माइटोकॉन्ड्रिया व राइबोसोम भी उपस्थित है।

कुल अंक
BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

केन्द्रक :
कोशिका मे एक विशेष प्रकार का केन्द्रक पाया जाता है यह मजबूत संरचना वाला होता है। इसमे कशाविकाश गुच्छो के रूप मे पाई जाती है।

कशाविकाश :
जीवाणुओ मे कशाविकाश रोम के रूप मे पाई जाती है। ये कशाविकाश मजबूत होती है।

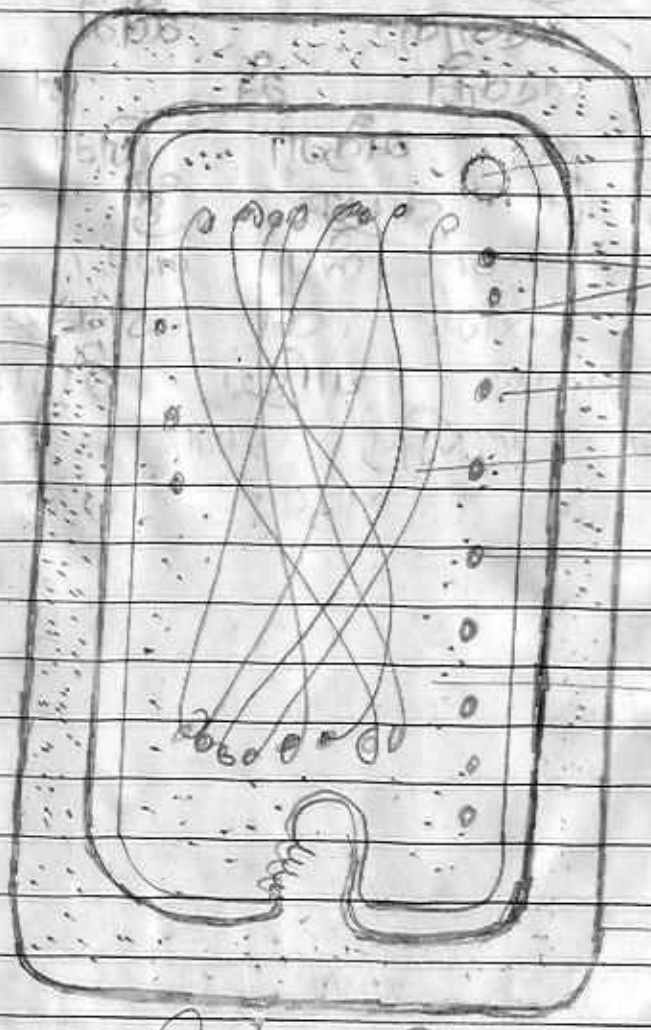

चित्र - जीवाणु कोशा

(18)

योग पूर्व पृष्ठ पृ० 18 के अंक कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = 13

(अ)

साँप के काटने पर कटे हुए स्थान के थोड़े ऊपर वाले भाग को एक सूती कपड़े से बाँध देंगे उसके बाद जिस स्थान पर साँप ने काटा है उस स्थान से रक्त निकालेंगे रक्त निकालने से जहर शरीर से बाहर की ओर आ सकता है। फिर उस कटे हुए भाग को नीचे की ओर लटकाकर रखेंगे नीचे की ओर लटकाने से न जहर ऊपर नहीं चढ़ सकेगा जिस अंग पर सर्प ने काटा है स्थान पर तुलसी का लेप लगाना चाहिए और रोगी को डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए रोगी को पहले प्राथमिक उपचार देना चाहिए ऐसा करने पर मनुष्य बच सकता है।

BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक=17

(उ) एड्रीनेलीन हार्मोन के कार्य

(1) यह हार्मोन संकट के समय हमारे शरीर की रक्षा करता है।

(2) उत्तेजित होने पर भय या क्रोध आने पर इसका स्त्राव अधिक होता है।

(3) यह भी हार्मोन रक्त मे ग्लूकोज की मात्रा निश्चित बनाए रखता है।

यह हार्मोन ग्लूकोज मे ग्लाइकोजन मे बदलता है।

प्रभाव

(1) इस हार्मोन के कम स्त्राव से हमारा शरीर शिथिल हो जाएगा।

(2) इसके कम स्त्राव से हमारे शरीर मे उत्तेजनाओ का उत्पन्न होना समाप्त हो जाता है।

(3) इसके कम स्त्राव से हमारा शरीर अपनी रक्षा नही कर सकता।

(4) इस हार्मोन के कम स्त्राव से ह शरीर पर बुरा प्रभाव पडता है।